राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम - राजनीति विज्ञान
पाठ 1 : राजनीति का क्षेत्र: शक्ति, सत्ता, स्वतन्त्रता तथा न्याय
कार्यपत्रक - 1

1 राजनीति विज्ञान का अध्ययन मानक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान दोनों के साथ किया जाता है। विश्लेषण कीजिए।

2 20वीं शताब्दी के व्यवहारवादी दृष्टिकोण ने राजनीति विज्ञान के अध्ययन का केन्द्र नैतिक मूल्यों से बदलकर वैज्ञानिक एवं अनुभवजन्य कैसे कर दिया?

3 'राजनीति से तात्पर्य समाज में होने वाली घटनाओं से है जबकि राजनीति विज्ञान राज्य, शक्ति और सरकार की कार्यप्रणाली का क्रमबद्ध अध्ययन है'। प्रस्तुत कथन को ध्यान में रखते हुए राजनीति एवं राजनीति विज्ञान का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

4 'राज्य की भूमिका' पर मार्क्सवादी एवं उदारवादी विचारों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

5 'लोक कल्याणकारी राज्य ''पुलिस राज्य' से किस प्रकार भिन्न है?

6 'आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य में कर्तव्य एवं अधिकार एक दूसरे के पूरक हैं। उपरोक्त कथन के आलोक में लोकतांत्रिक राज्य में प्राप्त अधिकारों का विश्लेषण कीजिए।

7 उन तरीकों की व्याख्या कीजिए जिनसे सकारात्मक स्वतंत्रता, व्यक्तिगत विकास की सीमा में वृद्धि करती है और सुरक्षित राजनीतिक सहभागिता के अवसर सुनिश्चित करती है।

8 सामाजिक न्याय के दो संप्रत्ययों के मध्य के मुख्य अंतरों की व्याख्या कीजिए।

9 क्या आप सहमत हैं कि स्वतंत्रता एवं समानता का अंतिम लक्ष्य न्याय है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

10 राउल का न्याय का विचार नोजिक के न्याय के विचार से किस प्रकार भिन्न है?